



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 442]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 29, 1979/कार्तिक 7, 1901

No. 442]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 29, 1979/KARTIKA 7, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

जिल संवालय
(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1979

का० प्रा० 613(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, कम्पनी (लाभ) प्रति-कर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा 25 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कम्पनी (लाभ) प्रति-कर नियम, 1964 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कम्पनी (लाभ) प्रति-कर संशोधन नियम, 1979 है।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2. कम्पनी लाभ प्रति-कर नियम, 1964 में,

(क) प्रारूप 4 में, टिप्पण (3) के स्थान पर निम्नलिखित टिप्पण रखा जाएगा, अर्थात्—

“(3) अपील का ज्ञापन अंग्रेजी में लिखा जाना चाहिए या, यदि अपील किसी ऐसे राज्य में स्थित न्यायपीठ के समक्ष फाइल की जाती है जो आयकर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 के नियम 5 क के प्रयोजनों के लिए अपील अधिकरण के सभापति द्वारा तत्समय अधिसूचित है तो, अपीलार्थी के विकल्प के अनुसार हिन्दी में लिखी जानी चाहिए और उसमें, अपील प्राधारों को संक्षेप में तथा सुनिश्चित शीर्षों के अधीन बिना किसी तर्क या विवरण के

उपवर्णित किया जाना चाहिए और ऐसे प्राधारों को क्रमवार संख्यांकित किया जाना चाहिए।

(ख) प्रारूप 5 में, टिप्पणी (2) के स्थान पर निम्नलिखित टिप्पण रखा जाएगा, अर्थात् :—

(2) प्रत्याक्षेप का ज्ञापन अंग्रेजी में लिखा जाना चाहिए या, यदि ज्ञापन किसी ऐसे राज्य में स्थित न्यायपीठ के समक्ष फाइल किया जाता है जो आयकर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 के नियम 5 क के प्रयोजनों के लिए अपील अधिकरण के सभापति द्वारा तत्समय अधिसूचित है तो प्रत्यर्थी के विकल्प के अनुसार हिन्दी में लिखा जाना चाहिए और उसमें प्रत्याक्षेपों को संक्षेप में तथा सुनिश्चित शीर्षों के अधीन, बिना तर्क या विवरण के, उपवर्णित किया जाना चाहिए और ऐसे प्राक्षेपों को क्रमवार संख्यांकित किया जाना चाहिए;

[सं० 3052 /का० सं० 143/4/78 टी पी एल]

एस० एन० शेन्डे, सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Central Board of Direct Taxes)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th October, 1979

SURTAX

S.O. 613(E).—In exercise of the powers conferred by section 25 of the Companies (Profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964), the Central Board of Direct Taxes hereby

makes the following rules further to amend the Companies (Profits) Surtax Rules, 1964, namely :—

1. (1) These rules may be called the Companies (Profits) Surtax (Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force at once.

2. In the Appendix to the Companies (Profits) Surtax Rules, 1964,—

(a) in Form No. 4, for Note 3, the following Note shall be substituted, namely :—

“3. The memorandum of appeal should be written in English or, if the appeal is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the appellant, in Hindi, and should set forth, concisely

and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively.” ;

(b) in Form No. 5, for Note (2), the following Note shall be substituted, namely :—

2. The memorandum of cross-objections should be written in English or, if the memorandum is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the respondent, in Hindi, and should set forth, concisely and under distinct heads, the cross-objections without any argument or narrative and such objections should be numbered consecutively.”.

[No. 3052/F. No. 143 (4)/78-TPL]

S. N. SHENDE, Secretary